संक्षेप में

मिशलिन चेन्नई में करेगी यात्री वाहन टायर उत्पादन

फ्रांस की टायर विनिर्माता कंपनी मिशलिन इस साल अपने चेन्नई संयंत्र से स्थानीय स्तर पर उत्पादित यात्री वाहन टायर पेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इसके अलावा कंपनी की विभिन्न क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने उत्पाद पोर्टफोलियो को बढ़ाने की भी योजना है। क्लेरमोंट-फेरां स्थित समूह के दुनियाभर में 86 टायर विनिर्माण कारखाने हैं। चेन्नई स्थित अपने संयंत्र में यात्री वाहन टायर के लिए विनिर्माण क्षमता स्थापित करने को कंपनी 564 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है। कंपनी के समूह कार्यकारी समिति के सदस्य और कार्यकारी उपाध्यक्ष विनिर्माण पियरे-लुइस डबॉरड्यू ने कहा, 'हम ऐसा उत्पाद लाना चाहते हैं जिसकी भारतीय बाजार को जरूरत है। यह हमारी पहली प्रतिबद्धता है।' उन्होंने कहा कि समूह सबसे पहले स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) सहित बड़े आकार के वाहनों को लक्षित करेगा। इसके जरिये वह अपनी प्रौद्योगिकी रूप से अद्यतन उत्पाद क्षमता का प्रदर्शन करेगा। *भाषा*

पीसी ज्वैलर का कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य

आभूषण विक्रेता पीसी ज्वैलर लिमिटेड ने इस वित्त वर्ष में अपने बैंक कर्ज को आधे से अधिक घटाकर लगभग 1,800 करोड़ रुपये कर दिया है। कंपनी ने बेहतर बिक्री एवं धन जुटाकर अगले साल मार्च तक कर्ज मुक्त होने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक बलराम गर्ग ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'चालू वित्त वर्ष के अंत तक हमारा बैंक ऋण घटकर 1,775 करोड़ रुपये रह जाने की उम्मीद है। हम अपने बैंक कर्ज को और कम करने और मार्च, 2026 तक ऋण मुक्त होने का लक्ष्य बना रहे हैं।' सोने और चांदी के आभूषण बेचने वाली पीसी ज्वैलर के 15 राज्यों में 55 शोरूम हैं। सितंबर, 2024 में पीसी ज्वैलर ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की अगुआई वाले 14 बैंकों के एक समूह के साथ समझौता किया था ताकि वह अपने बकाया ऋण को चुका सके। कंपनी पर 31 मार्च, 2024 तक लगभग 4,100 करोड़ रुपये का बैंक कर्ज था। *भाषा*

एटीएस होमक्राफ्ट ने 400 आवासीय भूखंड बेचे

रियल एस्टेट कंपनी एटीएस होमक्राफ्ट ने मजबूत उपभोक्ता मांग के चलते यमुना एक्सप्रेसवे पर अपनी नई परियोजना में करीब 400 आवासीय भूखंड (प्लॉट) 1,200 करोड़ रुपये से अधिक में बेचे हैं। कंपनी उत्तर प्रदेश के जेवर में आगामी नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास यमुना एक्सप्रेसवे पर 63 एकड़ की प्लॉटिड डेवलपमेंट परियोजना 'प्रोविंस डी ओलंपिया' विकसित करेगी। एटीएस समूह के प्रबंध निदेशक उदयवीर आनंद ने कहा, 'हमने करीब 400 भूखंड वाली 63 एकड़ की परियोजना का पहला चरण शुरू किया है। हमें ग्राहकों से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली है और सभी भूखंड बिक चुके हैं।' उन्होंने कहा कि कंपनी को करीब 1,000 ग्राहकों से रुचि पत्र (ईओआई) मिले हैं।' *भाषा*

वित्त वर्ष 25 में वाहन बिक्री 5% बढ़ी, 20 लाख से ज्यादा बिके ईवी

शाइन जैकब
चेन्नई, 30 मार्च

वित्त वर्ष 24 के दौरान दो अंकों में 10 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि के बाद देश की वाहन बिक्री वित्त वर्ष 25 का समापन पांच प्रतिशत से अधिक की वृद्धि के साथ करने वाली है और यह वित्त वर्ष 25 में 2.6 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की बिक्री भी पहली बार किसी वित्त वर्ष में 20 लाख का आंकड़ा पार कर रही है। इस वर्ष मार्च महीने की बिक्री प्रमुख बाधा रही, जब पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने की तुलना में बिक्री में लगभग 14 प्रतिशत (30 मार्च तक) की गिरावट आई। वाहन पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 25 के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री पहली बार 20 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है, जो वित्त वर्ष 24 की 16 लाख वाहन बिक्री की तुलना में 20 प्रतिशत ज्यादा है। इस वित्त वर्ष में 30 मार्च तक वाहनों की कुल वाहन बिक्री 2.59 करोड़ रही, जो साल 2023-24 में 2.46 करोड़ और साल 2023-23 में 2.23 करोड़ थी। उद्योग वित्त वर्ष 26 में यात्री वाहनों जैसी प्रमुख श्रेणियों में स्थिर वृद्धि की संभावना जता रहा है।

उद्योग में फरवरी तक सात प्रतिशत की कुल वृद्धि दिखने के बावजूद मार्च में यह गिरावट आई है, जो मुख्य रूप से दोपहिया, तिपहिया और यात्री वाहनों की बिक्री में वृद्धि से प्रेरित रही। फरवरी के अपने आंकड़ों के साथ फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने निकट भविष्य के लिए सतर्कतापूर्ण आशावादी दृष्टिकोण व्यक्त किया था।

फाडा के अध्यक्ष सीएस विघ्नेश्वर ने कहा, 'मार्च में उद्योग के लिए प्रमुख चुनौतियां पांच महीने तक लगातार गिरता शेयर बाजार था, जिसने उपभोक्ता विश्वास को कम किया और निवेशकों ने नए एसआईपी खोलने के बजाय ज्यादा संख्या में एसआईपी बंद किए। इसके अलावा कम आर्थिक गतिविधि के कारण गैर-जरूरी खर्च भी कम था।'

पिछले महीने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सायम) की बैठक में यात्री वाहन कंपनियों ने इस बात पर सहमति जताई कि साल 2025-26 में केवल एक से दो प्रतिशत की बिक्री वृद्धि देखी जा सकती है। एक प्रमुख यात्री वाहन कंपनी के

अधिकारी ने कहा कि कमजोर मांग, वहन क्षमता की चिंताओं, शुरुआती स्तर वाली कारों की बिक्री में गिरावट, वैश्विक महामारी के बाद की तेजी के सुस्त पड़ने, महंगाई, डॉलर के मुकाबले रुपये में नरमी और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण ऐसा है। इस क्षेत्र की समूची चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) साल 2030 तक करीब चार प्रतिशत रहने की उम्मीद है। एक प्रमुख दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहन कंपनी के सूत्र की राय है कि आने वाले वित्त वर्ष में ईवी की वृद्धि की रफ्तार में भी गिरावट आ सकती है।

वाहन बिक्री की रफ्तार

महीना	वित्त वर्ष 23	वित्त वर्ष 24	वित्त वर्ष 25*
अप्रैल	18,07,141	17,47,574	22,28,576
मई	18,42,299	20,43,143	21,10,029
जून	17,10,423	18,88,849	19,15,862
जुलाई	16,17,171	17,93,216	20,57,134
अगस्त	16,80,963	18,45,440	19,14,652
सितंबर	15,71,586	19,05,411	17,41,040
अक्टूबर	23,02,706	21,51,417	28,69,685
नवंबर	24,18,491	28,91,904	32,37,324
दिसंबर	16,52,037	20,14,865	17,75,078
जनवरी	18,56,962	21,56,623	23,19,585
फ़रवरी	18,02,386	20,54,140	19,18,702
मार्च	20,70,098	21,48,710	18,50,263
कुल	2,23,32,263	2,46,41,292	2,59,37,930

स्रोत : वाहन *30 मार्च तक

सेमीकंडक्टर उद्योग को प्रोत्साहन की तैयारी

भारत व जीका करेंगे समझौता

पूजा दास
नई दिल्ली, 30 मार्च

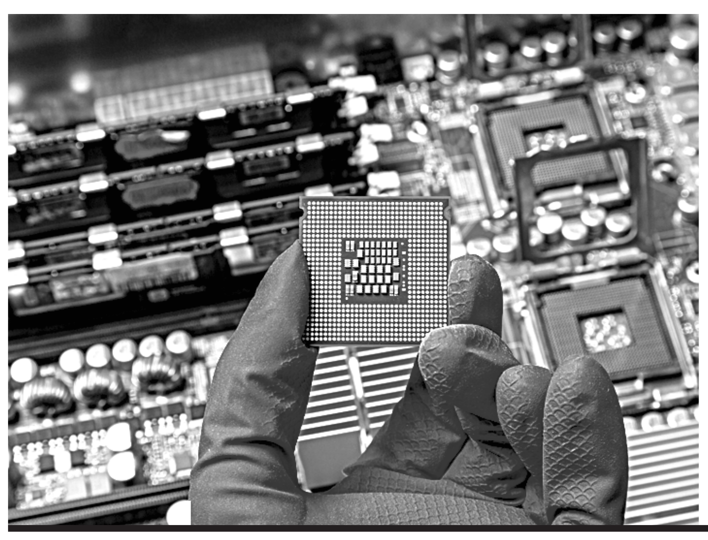

बढ़ता बाजार

- संभावित परियोजना स्थलों में शामिल हैं गुजरात और असम
- भारत का सेमीकंडक्टर खपत बाजार साल 2024-25 में 52 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है और साल 2030 तक 13 प्रतिशत की सीएजीआर से बढ़ने की है उम्मीद
- जीका ने गुरुवार को किए थे जैव विविधता, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, मास रैपिड ट्रांसपोर्ट और जलीय कृषि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में 11,181 करोड़ रुपये के 6 समझौते

जापान इंटरनैशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जीका) द्वारा भारत के साथ समझौता किए जाने की उम्मीद है। भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग को बढ़ावा देने, इस क्षेत्र में नवाचार और प्रतिभा विकास को रफ्तार देने के लिए यह समझौता किए जाने के आसार हैं।

जीका के इंडिया चीफ रिप्रेजेंटेटिव ताकेउची ताकुरो ने बिजनेस स्टैंडर्ड के साथ बातचीत में कहा कि उन्हें नहीं पता कि यह परियोजना क्या होगी क्योंकि यह अभी भी शुरुआती चरण में है, लेकिन भारत सरकार पहले ही गुजरात और असम को छांट चुकी है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना भारत सरकार की नीति के अनुरूप होगी।

जीका द्वारा गुरुवार को जैव विविधता, प्राकृतिक संसाधन संरक्षण, मास रैपिड ट्रांसपोर्ट और जलीय कृषि समेत विभिन्न क्षेत्रों में 11,181 करोड़ रुपये के छह समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद यह घटनाक्रम सामने आया है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में इस साझेदारी को जीका से बड़ी वित्तीय सहायता का समर्थन मिलेगा और यह टाटा को सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने में सहायता प्रदान कर सकती है।

यह पहल पिछले साल भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद तथा आधुनिक सेमीकंडक्टर समाधानों की जापानी आपूर्तिकर्ता रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन के बीच घोषित साझेदारी के बाद की गई है।

ताकुरो ने कहा, 'आर्थिक सुरक्षा मायने रखती है और भारत सरकार सेमीकंडक्टर उद्योग स्थापित करने के लिए उत्सुक है। वर्तमान में हम भारत सरकार के साथ इस संबंध में जोरदार रूप से चर्चा कर रहे हैं कि हम किस तरह सहयोग कर सकते हैं क्योंकि जापान ऐसा देश है जिसके पास इस क्षेत्र में सबसे ज्यादा ताकत है और हमारे पास सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कई वैश्विक अच्छी कंपनियां हैं। इसलिए यह अब हमारी बड़ी दिलचस्पी है।'

साल 2021 में 76,000 करोड़ रुपये के व्यय के साथ शुरू किए गए भारतीय सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) का उद्देश्य सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले का दमदार पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण और डिजाइन के मामले में वैश्विक केंद्र के रूप में भारत की स्थिति मजबूत करने के साथ-साथ समेकंडक्टर और डिस्प्ले संबंधी योजनाओं के सुव्यवस्थित और अबाध क्रियान्वयन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में सेवा करना है।

भारत का सेमीकंडक्टर खपत बाजार साल 2024-25 में 52 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है और साल 2030 तक 13 प्रतिशत की दमदार चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स ऐंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) की रिपोर्ट के अनुसार वाहन और औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिकी जैसे क्षेत्र अतिरिक्त मूल्य के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करते हैं।

ताकुरो ने कहा, 'बातचीत साल 2023 में शुरू हुई थी और हम भारत सरकार के सभी संबंधित पक्षों के साथ इस पर चर्चा कर रहे हैं, जिसमें इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, राज्य सरकारें और कुछ राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शामिल हैं।'

संगठन में बदलाव के दौर से गुजर रहीं भारतीय आईटी फर्में

पृष्ठ 1 का शेष

कॉन्स्टेलेशन रिसर्च के संस्थापक और चेयरमैन रे वांग ने मार्च में एक ब्लॉग में लिखा था, 'जैसे-जैसे ज्यादा काम स्वचालित होते जा रहे हैं और निचले स्तर और उच्च स्तर के कई कामों को एआई द्वारा प्रतिस्थापित किया जा रहा है, पारंपरिक कमांड और कंट्रोल पिरामिड संरचना की जरूरत खत्म होती जा रही है। स्वचालन और एआई पिरामिड के कई हिस्सों को तोड़ रहे हैं।' हालांकि चुनौतियां बनी हुई हैं। सबसे महत्त्वपूर्ण चुनौती बड़े पैमाने पर कार्यबल को फिर से प्रशिक्षित करने के साथ ही परिचालन मार्जिन को बरकरार रखना है। स्वतंत्र विश्लेषक हंसा अय्यंगार ने कहा कि कर्मचारियों को नए सिरे से कुशल बनाने में निवेश से शुरू में मार्जिन में कमी आने की संभावना है लेकिन एआई दक्षता बढ़ने के साथ इसमें सुधार हो सकता है।

जोरिएंट के सीईओ रोहित केडिया ने कहा, 'इसमें से कुछ बातें अनिश्चित हैं कि अगर पिरामिड नहीं है तो आप व्यापक स्तर पर कैसे काम करेंगे। मुझे लगता है कि अगले 2 साल में सबसे महत्त्वपूर्ण यह होगा कि कंपनियां कर्मचारियों को कुशल बनाने में निवेश करें और इस बारे में स्पष्टता रखें कि नए इंजीनियर में किस तरह का कौशल होना चाहिए। जो कंपनियां ऐसा करेंगी वह प्रतिस्पर्धी बनी रहेंगी।'

पीएलआई के लिए दिग्गजों में होड़

पृष्ठ 1 का शेष

पीसीबी विनिर्माण के क्षेत्र में एटीऐंडएस एजी भी है जिसकी भारतीय सहायक कंपनी देश की पहली और सबसे बड़ी उच्च घनत्व और उच्च आवृत्ति पीसीबी विनिर्माता है। इसका कारखाना कर्नाटक में है।

मुरुगप्पा समूह भी कैमरा मॉड्यूल विनिर्माण के लिए उप-घटक क्षेत्र में उतरने के लिए बातचीत कर रहा है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स मैकेनिकल पुर्जे बनाने पर विचार कर रहा है। कंपनी पहले से ही इस तरह के पुर्जों की आपूर्ति ऐपल इंक को कर रही है, साथ ही कंपनी उसका निर्यात भी करती है।

लीथियम-आयन बैटरी सेल के क्षेत्र में जापान की टीडीके के स्वामित्व वाली एम्परेक्स टेक्नोलॉजी और मुनोत ने दिलचस्पी दिखाई है। मुनोत तिरुपति के अपने कारखाने में बैटरी सेल बनाती है। मुनोथ के वाइस चेयरमैन जसवंत मुनोत ने कहा, 'हम पीएलआई योजना में हिस्सा लेंगे। हमने पहले ही 165 करोड़ रुपये का निवेश किया है और आगे विस्तार की योजना बना रहे हैं। स्थानीय बाजार के अलावा हम निर्यात भी करना चाहते हैं। अमेरिका द्वारा चीन पर 45 फीसदी शुल्क लगाए जाने से हम लाभ में रहेंगे। हालांकि हमें अप्रैल में पता चलेगा कि भारत पर बराबरी वाला शुल्क किस तरह का होगा।' पैसिव कंपोनेंट में रजिस्टर, कैपेसिटर और इंडक्टर विनिर्माण के लिए जापान की टीडीके और मुराता तथा अमेरिका की टेक्सस इंस्ट्रूमेंट्स जैसी कंपनियों के साथ पहले ही चर्चा हो चुकी है। ऐपल के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी फॉक्सकॉन पुर्जों का उत्पादन बढ़ाना चाहती है। इसने कैमरा मॉड्यूल, डिस्प्ले मॉड्यूल और मैकेनिकल कंपोनेंट सहित कई क्षेत्रों में दिलचस्पी दिखाई है। पीएलआई योजना छह साल के लिए है और इसका उद्देश्य देसी कंपनियों को बढ़ावा देना और दुनिया भर में निर्यात के लिए घरेलू आपूर्ति श्रृंखला विकसित करना है।

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that the below mentioned Authorised Person is no longer affiliated as Authorised Person of Kotak Securities Limited.

Authorised Person Name	Trade Name	Exchange Registration Numbers of Authorised Person	Address of Authorised Person
NEETU AWASTHI	NEETU AWASTHI	NSE - AP0291566091 MCX - 167594	698 C Block Shyam Nagar Cod S O Kanpur Nagar Kanpur Nagar Kanpur 208013

Please note that above mention Authorised Person (AP) is no longer associated with us. Any person henceforth dealing with above mention AP should do so, at their own risk. Kotak Securities Ltd. shall not be liable for any such dealing. In case of any queries for the transactions till date, Investors are requested to inform Kotak Securities Ltd. within 15 days from the date of this notification, failing which it shall be deemed that there exists no queries against the above mentioned AP.

Kotak Securities Limited. Registered Office: 27 BKC, C 27, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400051. CIN: U99999MH1994PLC134051, Telephone No.: +22 43360000, Fax No.: +22 67132430. Website: www.kotak.com / www.kotaksecurities.com. Correspondence Address: Infinity IT Park, Bldg. No 21, Opp. Film City Road, A K Vaidya Marg, Malad (East), Mumbai 400097. Telephone No: 42856825. SEBI Registration No: INZ000200137(Member of NSE, BSE, MSE, MCX & NCDEX) , AMFI ARN 0164, PMS INP000000258 and Research Analyst INH000000586. NSDL/CDSL: : IN-DP-629-2021. Compliance Officer Details: Mr. Hiren Thakkar Call: 022 - 4285 8484, or Email: ks.compliance@kotak.com.

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि दिनांक 11.03.2025 के आदेश के तहत सेबी ने बिग प्रॉफिट बज़ को निर्देश दिया है कि वह उन लोगों को पैसा लौटाए जिन्होंने बिग प्रॉफिट बज़ द्वारा दी गई संस्तुति/राय/शोध रिपोर्ट के आधार पर निवेश किया है। जिन लोगों ने उपरोक्त के आलोक में कोई निवेश किया है, वे कृपया रिफंड प्राप्त करने के लिए श्री जितेन्द्र से संपर्क करें।

संपर्क नंबरः– 9999015128

टेमासेक को हिस्सा बिक्री के लिए हल्दीराम का करार

शार्लीन डिसूजा
मुंबई, 30 मार्च

भारतीय बहुराष्ट्रीय स्नैक्स और मिष्ठान कंपनी हल्दीराम स्नैक्स फूड (हल्दीराम्स) ने सिंगापुर की वैश्विक निवेश कंपनी टेमासेक के साथ करार किया है। हल्दीराम के मौजूदा शेयरधारकों से इक्विटी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए यह करार किया गया है। पीडब्ल्यूसी ने प्रेस विज्ञप्ति में यह जानकारी दी है। हालांकि विज्ञप्ति में बेची गई हिस्सेदारी के बारे में सटीक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन सूत्रों ने पहले बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि हल्दीराम ने 10 प्रतिशत से कुछ कम हिस्सेदारी बेचने के लिए समझौता किया है और कंपनी का मूल्य 10 अरब डॉलर आंका गया है।

विज्ञप्ति में कहा गया है, 'यह सौदा हल्दीराम को भारत और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तर पर अपनी महत्वाकांक्षी विस्तार योजनाओं को जारी रखने की स्थिति में रखता है, जिससे तेजी से प्रतिस्पर्धी होते बाजार में इसकी उपस्थिति मजबूत होगी।' सूत्रों के अनुसार हल्दीराम इस पैसे का उपयोग विस्तार के लिए करेगी।

हल्दीराम कंपनी में करीब 50 करोड़ डॉलर में पांच से छह प्रतिशत अन्य हिस्सेदारी बेचने के लिए भी बातचीत कर रही है और यह बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है।

पीडब्ल्यूसी इन्वेस्टमेंट बैंकिंग की टीम ने इस सौदे के लिए विशेष वित्तीय सलाहकार की भूमिका निभाई और खेतान ऐंड कंपनी ने कानूनी सलाहकार की भूमिका निभाई तथा यह सौदा जल्द ही आवश्यक विनियामक मंजूरी मिलने के बाद पूरा होने की उम्मीद है। हल्दीराम समूह की ओर से प्रवक्ता ने विज्ञप्ति में कहा, 'हम हल्दीराम में निवेशक और भागीदार के रूप में टेमासेक का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं।'

GRIHUM HOUSING FINANCE Apna Ghar. Apni Pehchan.

गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के रूप में अभिज्ञात)
पंजीकृत कार्यालय : 6ठवां तल, बी बिल्डिंग, गंगा ट्रूक्नो, लोहेगांव, पुणे, महाराष्ट्र 411014
शाखा कार्यालय इकाई : द्वितीय तल, कस्तूरी होटल, जोखन बाग, झाँसी, उत्तर प्रदेश- 284001

ई–नीलामी विक्रय सूचना

ई–नीलामी विक्रय सूचना, सरफॉएसि अधिनियम के अंतर्गत प्रतिभूत अचल परिसंपत्ति का विक्रय

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (''अधिनियम'') के अंतर्गत अचल परिसंपत्तियों के विक्रयार्थ ई–नीलामी विक्रय सूचना।

एतद्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप में उधारकर्ताओं / सह–उधारकर्ताओं / बंधककर्ता(ओं) / गारंटर(रों) को सूचित किया जाता है कि गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के रूप में अभिज्ञात, क्योंकि नाम पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड जो है वह 17 नवंबर 2023 से प्रभावी होकर गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड में परिवर्तित हो चुका है (पूर्व में मैग्मा हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के रूप में अभिज्ञात तथा मूलतः जीई मनी हाउसिंग फाइनेंस पब्लिक अनलिमिटेड कंपनी के नाम से निगमीकृत) (अधिनियम के अनुसार, यहां इसमें इसके पश्चात् ''प्रतिभूत ऋणदाता'' के रूप में संदर्भित) के पास बंधककृत निम्नवर्णित अचल संपत्तियों का अधिग्रहण अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत निर्गत सूचना के अनुपालन में प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोगांतर्गत, प्रतिभूत ऋणदाता के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कर लिया गया है।

प्रतिभूत परिसंपत्तियों का विक्रय ई–नीलामी के माध्यम से 16/04/2025 को ''जैसी हैं जहां हैं'', ''जैसी हैं जो हैं'' तथा ''वहां जो कुछ भी हैं'' आधार पर किया जायेगा। एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हम वेबसाइट : https://www.bankeauctions.com में उपलब्ध ई–नीलामी मंच के माध्यम से सार्वजनिक नीलामी संचालित करने जा रहे हैं।

विक्रय के विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिये कृपया जीएचएफएल की/प्रतिभूत ऋणदाता की वेबसाइट अर्थात् www.grihumhousing.com में उपलब्ध लिंक का संदर्भ ग्रहण करें।

प्रस्ताव सं. ग्राहक का नाम (ए)	मांग सूचना तिथि एवं बकाया राशि (बी)	अधिग्रहण की प्रकृति (सी)	संपत्ति का विवरण (डी)	आरक्षित मूल्य (ई)	धराज (आरपी की 10%) (एफ)	धराज जमा करने की तिथि (जी)	वृद्धिशील बोली (एच)	संपत्ति निरीक्षण तिथि एवं समय (आई)	नीलामी की तिथि एवं समय (जे)	ज्ञात भारग्रस्तताएं/न्यायालयी प्रकरण, यदि कोई, (के)
ऋण संख्या LAP06542000000 05030901&HL006 54200000005022 160 संध्या साहू (उधारकर्ता), देवेंद्र कुमार साहू (सह–उधारकर्ता)	सूचना तिथि : 08/09/2024 कुल बकाया : रु. 547934/– (पांच लाख सैंतालीस हजार नौ सौ चौंतीस रुपये मात्र) 08/09/2024 के अनुसार देय, साथ में वसूलीकरण तक 15.5% प्रति वर्ष की दर पर ब्याज और रु. 3698799/– (छत्तीस लाख अट्ठानबे हजार सात सौ निन्यानबे रुपये मात्र) 08/09/2024 के अनुसार देय, साथ में वसूलीकरण तक 14% प्रति वर्ष की दर पर ब्याज	भौतिक	एक मकान संख्या 1098 और पुराने नंबर 761/1 के समस्त वह भाग तथा अंश जिनका क्षेत्रफल 845.46 वर्ग फुट = 78.57 वर्ग मीटर है जो मोहल्ला उन्नाव गेट के बाहर तहसील और जिला झांसी में स्थित, निष्पादित बिक्री विलेख में विशेष रूप में उल्लिखित है। **सीमाएँ :– पूर्व–** सड़क 3.66 मीटर, **पश्चिम–** सड़क 3.66 मीटर, **उत्तर–** अन्य का प्लॉट, **दक्षिण–** रामसेवक का घर।	रु. 20,00,000/– (रुपये बीस लाख मात्र)	रु. 2,00,000/– (रुपये दो लाख मात्र)	15–04–2025 को 5 बजे से पूर्व	रु. 10,000/–	09–04–2025 (मध्या. 11 – 4 बजे)	16–04–2025 (मध्या. 11 – 2 बजे)	शून्य

इच्छुक बोलीदाताओं/खरीदारों को सलाह दी जाती है कि वे बोलियां जमा करने से पहले प्रतिभूत ऋणदाता की शाखा और नीलामीगत संपत्तियों का दौरा करें, और अपनी स्वयं की पूछताछ करें और अतिरिक्त शुल्कों, ऋणभारों और किसी तीसरे पक्ष के हितों का पता लगाएं और उक्त से संबंधित सभी पहलुओं के संबंध में खुद को संतुष्ट करें। सभी वैधानिक बकाया जैसे संपत्ति कर, बिजली / पानी का बकाया और कोई अन्य बकाया, यदि कोई हो, जो संपत्ति से जुड़ा हो, को सफल बोलीदाता द्वारा सुनिश्चित किया जाना चाहिए और उनका भुगतान वहन किया जाना चाहिए। इच्छुक बोलीदाताओं से अपेक्षित है कि वे स्वयं को निम्न वर्णित नीलामी सेवा प्रदाता सी1 इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पता– भूखंड सं. 68, तृतीय तल, गुड़गांव, हरियाणा–122003, हेल्पलाइन नंबर– 7291981124, 25, 26, सपोर्ट ईमेल आईडी : Support@bankeauctions.com, **संपर्क व्यक्ति – धारिणी पी, ईमेल आईडी– dharani.p@c1india.com, संपर्क नं.. 9948182222** के पोर्टल पर पंजीकृत कर लें तथा अग्रिम रूप में लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त कर लें, जो कि ई–बोलीदान हेतु अनिवार्य है। कृपया ध्यान दें कि प्रस्तावित बोलीदातागण केवल उन्हीं से ई–नीलामी पर ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। इच्छुक बोलीदाता / खरीदार को ''गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड'', बैंक–आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, 20, आर. एन. मुखर्जी रोड, कोलकाता–700001 के पक्ष में एनईएफटी/आरटीजीएस/डीडी के माध्यम से किसी भी राष्ट्रीयकृत या अनुसूचित बैंक पर आहरित बयाना जमा राशि (ईएमडी) की राशि खाता सं. 000651000460, आईएफएससी कोड ICIC0000006 में 15–04–2025 को अथवा इससे पूर्व जमा करनी होगी और https://www.bankeauctions.com पर अपने नाम पंजीकृत करने होंगे तथा सेवा प्रदाता से निःशुल्क रूप में प्रयोक्ता आईडी एवं पासवर्ड प्राप्त करना होगा और ई–नीलामी पर प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। वेबसाइट पर उनके पंजीकरण के उपरांत, इच्छुक क्रेता / बोलीदाता से अपेक्षा है कि निम्नलिखित अपलोडकृत प्रलेखों की प्रतियां प्राप्त करें, ई–मेल करें तथा इनकी स्वयं–प्रमाणित वास्तविक प्रतियां **निम्न पते : पता– द्वितीय तल, कस्तूरी होटल, जोखन बाग, झाँसी, उत्तर प्रदेश– 284001, मोबाइल नं. +91 9657443073, ई–मेल आईडी rohan.savala@grihumhousing.com पर प्रेषित करें। नियमों एवं शर्तों पर भावी विवरणों के लिये कृपया वेबसाइट : https://www.bankeauctions.com तथा ई–नीलामी में भाग लेने के लिये www.grihumhousing.com देखें।**

यह सूचना प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 8(6) के अंतर्गत उधारकर्ता / सह–उधारकर्ता / बंधककर्ता (ओं) / गारंटर (रों) हेतु 15 दिवसीय सूचना के रूप में भी मानी–जानी जाय।

स्थान : झाँसी
दिनाँक : 31–03–2025

प्राधिकृत अधिकारी, गृहम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व में पूनावाला हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के रूप में अभिज्ञात)

आर्टिफेक्स में हिस्सा लेगी टाटा ऑटोकॉम्प

टाटा ऑटोकॉम्प सिस्टम्स लिमिटेड ने रविवार को कहा कि वह जगुआर लैंड रोवर समूह के एक हिस्से आर्टिफेक्स इंटीरियर सिस्टम्स लिमिटेड में 80 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करेगी। हालांकि, कंपनी ने सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया है। कंपनी ने बयान में कहा कि इस लेनदेन के पूरा होने पर वित्त वर्ष 2024-25 में 29.6 करोड़ पाउंड का राजस्व अर्जित करने वाली आर्टिफेक्स, टाटा ऑटोकॉम्प (टाको) परिवार में शामिल हो जाएगी। कंपनी ने जगुआर लैंड रोवर ऑटोमोटिव पीएलसी समूह की अनुषंगी जगुआर लैंड रोवर वेंचर्स लिमिटेड से आर्टिफेक्स की बहुलांश शेयरधारिता खरीदी है। *भाषा*

आयकर विभाग ने इंडिगो पर लगाया 944 करोड़ रुपये का जुर्माना

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 30 मार्च

आयकर विभाग ने 2021-22 के आकलन वर्ष के लिए इंडिगो पर 944.2 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। हालांकि एयरलाइन ने रविवार को कहा कि यह 'गलत समझ' के आधार पर पारित किया गया है। एयरलाइन को शुक्रवार को आयकर विभाग से आदेश मिला था। कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए सरकार द्वारा लगाए गए यात्रा संबंधी प्रतिबंधों की वजह से 2020-21 और 2021-22 में इंडिगो का शुद्ध नुकसान 5,829.7 करोड़ रुपये और 6,171 करोड़ रुपये रहा था।

बीएसई को भेजी जानकारी में एयरलाइन ने कहा, 'यह आदेश इस गलत सोच के आधार पर पारित किया गया है कि आयकर आयुक्त (अपील) के समक्ष धारा 143(3) के तहत मूल्यांकन आदेश के खिलाफ कंपनी द्वारा दायर अपील खारिज कर दी गई है, जबकि इसे खारिज नहीं किया गया है और इस मामले में फैसला लंबित है।' इंडिगो ने कहा कि उसे भरोसा है कि आयकर विभाग द्वारा पारित आदेश कानून के अनुरूप नहीं है और त्रुटिपूर्ण एवं महत्वहीन है।

कानूनी कानूनी उपाय तलाश रही कंपनी

उसने कहा है, 'इस वजह से, कंपनी इसका विरोध करेगी और इस आदेश के विरुद्ध उचित कानूनी उपाय तलाशेगी। इसलिए, उक्त आदेश का कंपनी के वित्तीय, परिचालन या अन्य गतिविधियों पर कोई व्यापक प्रभाव नहीं पड़ेगा।' विमानन विश्लेषण फर्म सीरियम के अनुसार, इंडिगो मौजूदा समय में हर सप्ताह करीब 15,914 सेवाओं का परिचालन करती है, जो पिछले पांच साल में 41.8 फीसदी की वृद्धि है। घरेलू यात्री बाजार में एयरलाइन की 60 फीसदी से ज्यादा भागीदारी है।

लखनऊ संस्करण : बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग ऐंड पैकेजिंग लिमिटेड, बी-5, अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड, लखनऊ, उ.प्र. से मुद्रित एवं बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड सी/ओ मेहरा बिजनेस चैंबर्स, चैंबर नंबर-8,19-सी2एन विधान सभा मार्ग, लखनऊ - 226001 से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल आरएनआई नं. UPHIN/2008/25502 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं